(ख) जी हां और इसके अलावा इसमें एक पहले दर्जे का सवारी डिब्बा भी है;

(ग) फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है;

Passengers grievance re in Sou* Central Railway

1976. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have an efficient system to note and redress grievances of passengers in South Central Railways;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what is the level of the offker-in-charge of such grievance redressal in South Central Railways?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) Yes, sir.

(b) Public grievances redressal machinery was set up in 2-ticr on South Central Railway and is functioning at;

(i) Zonal level; and (H)
Divisional level.

(i) *Zonal level:* Additional General Manager is the Director of Public Grievances assisted by Dy. General Manager (G) and Assistant Secretary to General Manager/complaints.

(ii) *Divisional lvel:* Additional Divisional Railway Managers of the concerned Divisions are in-chargc of the Public grievances redressal machnery assisted by a
Complaints Inspector.

(c) Senior Administrative Grade Officers and above are made in-charge of the grievances redressal machinery of this Railway. The Additional General Manager, South Central Railway is the Director of Public Grievances of this Railway.

गांधी विद्या संस्थान

1977. श्री गोविन्दराम मिरी: क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि श्री जयप्रकाश नारायण जन्म शताब्दी समारोह राष्ट्रीय समिति की बैठक में गांधी विद्या संस्थान को सुदृढ़ बनाने का निर्णय लिया गया था;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस कदम उठाए हैं;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार श्री जयप्रकाश नारायण द्वारा गांधीजी पर अनुसंधान करने के लिए स्थापित किए गए संस्थान को एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित करने अथवा इसकी वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए एक उपयुक्त सुरक्षित कोष (इन्डोमेंट) की स्थापना करने पर विचार करेगी; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री एस०आर० बोम्मई): (क) जी हां। जयप्रकाश नारायण स्मृति समिति की बैठकों में गांधियन इंस्टीट्यूट आॅफ स्टडीज, वाराणसी (जी०आई०एस०), जिसको गांधी विद्या संस्थान के रूप में भी जाना जाता है, को सुदृढ़ करने के लिए उपयुक्त कदम उठाने की बाबत निर्णय लिया गया था।

(ख) से (घ) गांधियन इंस्टीट्यूट आॅफ स्टडीज एक स्वायत्त संस्था है, जो कि भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई०सी०एस०एस०आर०) के माध्यम से शिक्षा विभाग से अनुरक्षण व विकास अनुदान प्राप्त करती है। गांधी विद्या संस्थान को दिया जाने वाला एकमुश्त अनुदान वर्ष 1984—85 में 6.25 लाख रुपये दिया गया है।